एन मुरूगानंदम
N Muruganandam
महानिदेशक
Director General

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय
DIRECTORATE GENERAL OF
LIGHTHOUSES AND LIGHTSHIPS
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
MINISTRY OF PORTS, SHIPPING AND WATERWAYS

संदेश

हिन्दी पखवाड़े के सुअवसर पर शुभकामनाएँ

हिन्दी पखवाड़े के इस पावन अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिन्दी भाषा न केवल हमारी प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं की धरोहर है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आत्मीयता की सशक्त कड़ी भी है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में जन-जन को जोड़ने और शासन तथा जनता के बीच सहज संवाद का माध्यम हमारी मातृभाषा हिन्दी ही हो सकती है। इसी महत्व को ध्यान में रखते हुए संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को सर्वसम्मति से हिन्दी (देवनागरी लिपि) को भारत की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया। तभी से प्रतिवर्ष 14 सितंबर को *हिन्दी दिवस* तथा पूरे सितंबर माह में *हिन्दी पखवाड़ा* उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

आज हिन्दी भाषा निरंतर प्रगति कर रही है और वैश्विक मंचों पर अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा संयुक्त राष्ट्र समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिन्दी में दिए गए संबोधन इस तथ्य के प्रमाण हैं कि हिन्दी का प्रभाव और महत्व विश्व पटल पर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में यूनिकोड, गूगल स्पीच टूल, अनुवाद प्लेटफॉर्म, ई-महाशब्दकोश और श्रुतलेखन जैसे आधुनिक साधनों ने हिन्दी में कार्य करना और भी सरल व सहज बना दिया है।

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि राजभाषा हिन्दी के प्रोत्साहन हेतु इस वर्ष भी दीपस्तंभ एवं दीपपोत महानिदेशालय तथा इसके अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों व स्टेशनों में *हिन्दी पखवाड़ा* के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि आप सभी उत्साहपूर्वक इन आयोजनों में भाग लेकर हिन्दी के प्रचार-प्रसार और संवर्धन में महत्त्वपूर्ण योगदान देंगे।

इस अवसर पर मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विशेष आग्रह करता हूँ कि कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकतम प्रयोग करें। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हिन्दी केवल *पखवाड़े तक सीमित* न रहे, बल्कि पूरे वर्ष हमारी कार्यसंस्कृति की आधारभूत भाषा बने। यही हमारी राजभाषा को उसके वास्तविक गौरवपूर्ण स्थान पर स्थापित करने का सर्वोत्तम मार्ग है।

जय हिन्द!

एन. मुरुगानंदम

(एन. मुरुगानंदम)

Deep Bhawan, A-13, Sector-24, Noida-201 301, Distt. Gautam Budh Nagar (U.P.)
Tel. : 0120-2411168, Fax : 0120-2411345, E-mail : noida-dgll@nic.in, website : www.dgll.nic.in

एन मुरूगानंदम
N Muruganandam
महानिदेशक
Director General

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय
DIRECTORATE GENERAL OF
LIGHTHOUSES AND LIGHTSHIPS
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
MINISTRY OF PORTS, SHIPPING AND WATERWAYS

Sandesh

Greetings on the Occasion of Hindi Fortnight

On this auspicious occasion of *Hindi Fortnight*, I extend my heartfelt greetings to all of you.

Hindi is not only the treasure of our ancient culture and glorious traditions but also a strong bond of national unity, integrity, and identity. In the world's largest democracy, India, our mother tongue Hindi can serve as the most effective medium of communication between the government and the people. Recognizing this fact, the Constituent Assembly of India unanimously adopted Hindi (in Devanagari script) as the Official Language of India on 14th September 1949. Since then, *Hindi Day* is celebrated every year on 14th September, and the entire month of September is observed as *Hindi Fortnight*.

Today, Hindi is progressing steadily and establishing its strong presence on global platforms. The addresses delivered by our Hon'ble Prime Minister in Hindi at the United Nations and other international forums are testimony to the growing importance of Hindi at the global level. In this age of information technology, tools like Unicode, Google Speech Tool, translation platforms, e-dictionaries, and speech-to-text systems have made working in Hindi easier and more convenient than ever before.

I am pleased that, as in previous years, the Directorate General of Lighthouses and Lightships, along with its regional offices and stations, is organizing a variety of competitions and programs under *Hindi Fortnight* this year as well. I am confident that all of you will participate with great enthusiasm and contribute to the promotion and enrichment of Hindi.

On this occasion, I earnestly appeal to all officers and employees to maximize the use of Hindi in official work. We must ensure that Hindi does not remain confined only to this fortnight but becomes a continuous medium of our work culture throughout the year. This alone will pave the way for Hindi to attain its rightful place of pride.

Jai Hind!

(N. Muruganandam)

Deep Bhawan, A-13, Sector-24, Noida-201 301, Distt. Gautam Budh Nagar (U.P.)
Tel. : 0120-2411168, Fax : 0120-2411345, E-mail : noida-dgll@nic.in, website : www.dgll.nic.in